भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1630
बुधवार, दिनांक 29 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने हेतु

तमिलनाडु में पवन ऊर्जा की संभावना

1630. श्री नवसकनी के:

क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि प्रमुख पवन ऊर्जा उत्पादक राज्यों में से एक होने के नाते तमिलनाडु में पुराने पवन टर्बाइनों को पुनः शक्तियुक्त बनाने तथा तटवर्ती एवं अपतटीय पवन क्षमता के विस्तार की अत्यधिक संभावनाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और वर्ष 2030 तक लक्षित अतिरिक्त क्षमता का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट और वर्ष 2035 तक 155 गीगावाट पवन ऊर्जा के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति को सुगम बनाने के लिए तमिलनाडु को कोई विशेष वित्तीय सहायता, व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण, पारेषण अवसंरचना सहायता और प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं या प्रस्तावित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने ग्रिड संबंधी व्यवधानों, पारेषणगत अवरोधों और विलंबित भुगतानों से संबंधित मुद्दों का आकलन किया है, जिनका तमिलनाडु में पवन ऊर्जा उत्पादकों पर प्रभाव पड़ा है; और
(ङ.) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (NIWE) द्वारा किए गए पवन संसाधन मूल्यांकन के अनुसार, तमिलनाडु में 150 मीटर हब ऊंचाई पर 95.1 गीगावॉट की अनुमानित तटवर्ती पवन ऊर्जा संभाव्यता है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने मेसोस्केल अध्ययनों के माध्यम से तमिलनाडु के तट से दूर 8 ऑफशोर पवन क्षेत्र चिन्हित किए हैं, जिनकी 31 गीगावाट संभाव्यता है।

दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु में पवन ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापित क्षमता 12.27 गीगावॉट है। 2 मेगावाट तक की व्यक्तिगत क्षमता वाले पवन टर्बाइनों के प्रतिस्थापन पर विचार करते हुए, तमिलनाडु में लगभग 7.3 गीगावॉट की अनुमानित पुनर्विद्युत (रिपावरिंग) क्षमता है।

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में संस्थापित पवन ऊर्जा क्षमता का ब्यौरा अनुलग्नक-I में दिया गया है।

CEA द्वारा प्रकाशित वित्त वर्ष 2029-30 संस्करण 2.0 के लिए अधिकतम उत्पादन क्षमता मिश्रण पर रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2029-30 तक 100 गीगावाट पवन क्षमता की व्यवस्था है। COP-2026 में माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुसार, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, वर्ष 2030 तक पवन ऊर्जा सहित गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500GW स्थापित विद्युत क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखता है ।

(ग) वर्तमान में, निजी डेवलपर्स/सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन के आधार पर गई तटवर्ती पवन परियोजनाओं का विकास किया जाता है। नई तटवर्ती पवन विद्युत परियोजनाओं के लिए कोई केंद्रीय वित्तीय सहायता योजना नहीं है। हालांकि, सरकार ने अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 7453 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना और चालू करने (गुजरात और तमिलनाडु, प्रत्येक के तट पर 500 मेगावाट) और अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए लॉजिस्टिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दो बंदरगाहों के उन्नयन के लिए 'व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (VGF) योजना' शुरू की गई है।

(घ) तमिलनाडु सहित देश में पवन ऊर्जा क्षमता के विकास में ग्रिड कटौती और निकासी पारेषण में देरी एक चुनौती है। ग्रिड बुनियादी ढांचे के विकास को सुगम बनाने के लिए, सरकार ने निम्नलिखित पहल की हैं

- सरकार ने तमिलनाडु सहित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) समृद्ध राज्यों में 625.3 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता घोषित की।
- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के समेकन के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम योजना तैयार की है।
- अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण 1 और 2 के तहत, कुल लक्षित आरई निकासी क्षमता 43 गीगावाट थी, जिसमें से दिनांक 30.06.2026 तक 29 गीगावाट आरई की निकासी की गई।

डेवलपरों को समय पर भुगतान की सुविधा प्रदान करने के लिए, सरकार ने विद्युत (विलंब भुगतान अधिभार और संबंधित मामले) नियम, 2022 जारी किए हैं। इसके अलावा आरईआईए के विद्युत खरीद करार (पीपीए) के तहत, ऊर्जा शुल्क के भुगतान के लिए सुरक्षा को शामिल करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक, केंद्र सरकार और राज्य सरकार की खरीद संस्था के के बीच हस्ताक्षरित राज्य सरकार गारंटी/त्रिपक्षीय करार (टीपीए) की एक प्रणाली है।

अनुलग्नक ।

पिछले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता का विवरण

क्र.सं.	**वित्त वर्ष**	**वार्षिक पवन क्षमता वृद्धि (मेगावाट)**
1	2021-22	258.32
2	2022-23	150.8
3	2023-24	586.37
4	2024-25	1136.37
5	2025-26	407.32
6	2026-27 (दिनांक 30.06.2026 तक)	126.45

****